

## वश्व बैंक ने अटल भूजल योजना के लिये ₹ 6,000 करोड़ की मंजूरी दी

### चर्चा में क्यों?

भारत में भूजल भंडार के लगातार कम होने की चिंताओं को दूर करने के लिये वश्व बैंक ने अटल भूजल योजना (ABHY) के तहत 6,000 करोड़ रुपए की सहायता देने की मंजूरी प्रदान कर दी है। यह योजना 2018-19 से 2022-23 तक पांच साल की अवधि में लागू की जानी है। योजना के प्रस्ताव को पहले ही वय वतित समति द्वारा अनुशंसति कयि गय है और जलद ही कैबिनेट की मंजूरी के लिये प्रस्तुत कयि जलएग।

### प्राथमकित्त वल कषेत्त

- इस योजना के तहत पहचान कयि गए प्राथमकित्त वल कषेत्तों में गुजरात, हरयिण, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।
- ये राज्य भारत के कुल भूजल के दोहन के संदर्भ में 25 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं जहाँ अत्यधिक दोहन वाले, अत्यधिक जोखिम वाले तथा कम जोखिम वाले ब्लॉक हैं।
- भारत के भूजल संसाधनों का अत्यधिक दोहन कयि गय है जिसके कारण वशिषज्जों ने चेतावनी दी थी।
- 2011 में नमूना मूल्यांकन के अनुसार, भारत के 71 जिलों में से 19 में भूजल का अत्यधिक दोहन कयि गय। जिसका अर्थ है कि जिलाशयों की प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक जल की निकासी की गई है।
- 2013 में कयि गए आकलन के अनुसार, जिसमें जिलों के बलाकों को शामिल कयि गय और पाय गय कयिहाँ का 31% जल खारा हो गय थ।
- वश्व बैंक से मिलने वाली यह नधि भूजल के लिये राज्यों में काम करने वाले संस्थानों को उपलब्ध कराई जलएगी तथा भूजल को बढ़ावा देने के लिये सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दयि जलएग।

### अटल भूजल योजना

- इस योजना का करयिान्वयन जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा कयि जल रह है।
- अटल भूजल योजना का उद्देश्य समुदाय भागीदारी के माध्यम से देश के प्राथमकित्त वल कषेत्तों में भूजल प्रबंधन में सुधार करना है।
- इस योजना में वश्व बैंक और केंद्र सरकार की हसिसेदारी 50:50 की है।
- यह योजना गुजरात, महाराष्ट्र, हरयिण, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में जल की कमी वाले कषेत्तों हेतु प्रस्तावति है।
- इस योजना के अंतर्गत इन प्रदेशों के 78 जिलों, 193 ब्लॉकों और 8350 ग्राम पंचायतों को शामिल कयि गय है।
- केंद्रीय भूजल बोर्ड की वगित वर्ष की रिपोर्ट के अनुसार देश के 6584 भूजल ब्लॉकों में से 1034 ब्लॉकों का अत्यधिक उपयोग हुआ है। सामान्यतः इसे 'डार्क जोन' (पानी के संकट की स्थिति) कहा जाता है।

### वश्व बैंक

- वश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्स शहर में वशि्व के नेताओं के एक सम्मेलन के दौरान हुई थी।
- द्वितीय वश्वियुद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को दोबारा पटरी पर लाने के उद्देश्य से इन संस्थाओं का गठन कयि गय थ।
- वश्व बैंक समूह का मुख्यालय वाशिंगटन डी सी में है। वश्व बैंक एक अंतरराष्ट्रीय वत्तीय संस्था है जो ऋण प्रदान करती है।
- वश्व बैंक संयुक्त राष्ट्र की वशिषिट संस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों को पुनर्निर्माण और विकास के कार्यों में आर्थिक सहायता देना है।
- वश्व बैंक समूह पाँच अंतरराष्ट्रीय संगठनों का एक ऐसा समूह है जो देशों को वत्ति और वत्तीय सलाह देता है।
- इसके उद्देश्यों में शामिल हैं- वशि्व को आर्थिक तरक्की के रास्ते पर ले जाना, वशि्व में गरीबी को कम करना तथा अंतरराष्ट्रीय नविश को बढ़ावा देना।